राजस्थान सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की समीक्षा

चांदपोल से बडी चौपड़ तक के कार्य का शिलान्यास सितम्बर में होगा
कार्य में गुणवत्ता एवं सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो

——मुख्यमंत्री

जयपुर, 4 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक फेज प्रथम–बी के कार्य का शिलान्यास सितम्बर के प्रथम पखवाड़े में किया जायेगा।

श्री गहलोत ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस कार्य के लिये टेण्डर प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाये। जयपुर मेट्रो परियोजना के इस चरण में चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक 'शील्ड टीबीएम' मशीन से भूमिगत कॉरिडोर का निर्माण किया जायेगा। इस रूट पर छोटी चौपड़ व बड़ी चौपड़ पर 'कट एण्ड कवर' पद्धति से भूमिगत स्टेशन बनाये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में मानसरोवर से चांदपोल तक फेज प्रथम–ए की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य की गुणवत्ता एवं जनता की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाये। उन्होंने कहा कि मेट्रो का काम जन सुरक्षा से जुड़ा है, चाहे इसमें कुछ देरी हो जाये लेकिन सुरक्षा के मामले में कोताही किसी भी सूरत में नहीं बरती जाए।

उन्होंने कहा कि मेट्रो के सिविल, ट्रेक, पॉवर सप्लाई, सिंगनलिंग व टेलीकॉम के सारे सिस्टम की पूरी जांच हो। ट्रेन का बाकायदा ट्रायल किया जाये और रेल्वे सुरक्षा से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी की जाय, उसके बाद ही मेट्रो की विधिवत शुरूआत हो।

श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट के प्रति गम्भीर रही है जो जगजाहिर है। इसमें धन की कमी नहीं आने दी। विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद ढाई साल में जितना काम हुआ है उतना किसी मेट्रो में नहीं हुआ, जो अपने आपमें एक रिकार्ड है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में जल्दबाजी नही होनी चाहिये तथा जनता और मीड़िया भी इस भावना को समझते हुए अनावश्यक दबाव नहीं बनाये।

उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल का यह बड़ा प्रोजेक्ट है जिस पर निरन्तर काम चलता रहेगा, ऐसे बड़े प्रोजेक्ट्स में छोटी–मोटी अड़चने आती रहती है जिससे अधिकारियों को हतोत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रोजेक्ट के तहत नियम–कायदे और निर्धारित मापदण्डों का पूरा ध्यान रखते हुए लगन एवं निष्ठा से काम करें।

बैठक में दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों ने मानसरोवर से चांदपोल तक के सिविल, ट्रैक व इलेक्ट्रीकल कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि अगस्त के अन्त या सितम्बर के प्रथम सप्ताह में मानसरोवर से

श्यामनगर तक मेट्रो का ट्रायल रन शुरू कर दिया जायेगा, जिसे सितम्बर के अन्त तक रेल्वे स्टेशन तक बढा दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रायल का कार्य बाकायदा पूरा किया जाय। उसके बाद जयपुर मेट्रो के लिये मंगाई गई नई ट्रेनों से ही यात्री सेवायें आरम्भ की जाय। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो से अस्थाई तौर पर ट्रेन मंगाकर संचालन आरम्भ करने से कोई फायदा नहीं।

नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि जून,2013 तक जयपुर मेट्रो के प्रथम फेज का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, परन्तु इस दौरान तकनीकी चुनौतियां, नवाचार, यातायात की दृष्टि से कम जगह, डिजाइन बनाने में समय लगने जैसी समस्याओं से कई प्रकार के व्यवधान आये जिससे इन कार्यों में देरी हुई। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भी ढाई साल में जो काम हुआ है वो अभूतपूर्व और संतोषजनक है।

बैठक में जेएमआरसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री निहाल चन्द गोयल ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि जयपुर मेट्रो के लिये दूसरी ट्रेन एक–दो दिन में जयपुर आ जायेगी। इसके बाद अक्टूबर,2013 तक हर माह में दो ट्रेन आयेगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जयपुर मेट्रो के लिये रिसर्च डवलपमेंट एण्ड स्टेण्डर्ड आर्गेनाइजेशन लखनऊ से तकनीकी क्लियरेंस की प्रक्रिया जारी है जिसे यथासमय पूरा कर लिया जायेगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री सी.के.मैथ्यू, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास श्री जी.एस.सन्धु, प्रमुख सचिव वित्त डॉ. गोविन्द शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री श्रीमत पाण्डेय, दिल्ली मेट्रो के प्रबन्ध निदेशक श्री मंगू सिंह सहित सचिवगण, डीएमआरसी एवं जेएमआरसी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

———

सलीम/हर्ष/कैलाश/सलीम/